Candle Light Congregation

Fight Against Counterfeiting and Smuggling

27th September 2018, VIT Bhopal, Bhopal-Indore Highway, Kothrikalan, Sehore

Dainik Jagran

राष्ट्र के व्यापक हित में तस्करी से लड़ें और सही सामान खरीदें

भोपाल। फिक्की कास्केड ने तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। भारत के आर्थिक विकास की गाथा ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के समक्ष नई चुनौतियां भी आई हैं। अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत के सामने आ रही बड़ी मुश्किलों में से एक अवैध कारोबार में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी है। अवैध उत्पादों का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और यह भारतीय उद्योग जगत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हो गया है। उद्योग संगठन फिक्की ने अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी- फिक्की कास्केड का भी गठन किया है। फिक्की कास्केड की रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात विनिर्माण क्षेत्रों में अवैध कारोबार के कारण सरकार को 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

Hari Bhoomi

तस्करी सामान के विरुद्ध कैंडल मार्च निकाला

भोपाल। फिक्की का स्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी एवं जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी) ने आज तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व प्रमुख पीसी झा ने कहा कि तस्करी और जालसाजी जैसे अवैध कारोबार के विस्तार से भारत में आने वाले निवेश पर संकट की स्थिति बनी है। फिक्की कास्केड के सलाहकार दीप चंद ने कहा, "तस्करी जैसी अवैध कारोबारी गतिविधियां सामाजिक ढांचे को नुकसान पहुंचा रही हैं। इस मौके पर वीआईटी, भोपाल के वाइस चांसलर डॉ पी गुणाशेखरन ने तस्करी कर लाए हुए और जारी उत्पादों के अवैध कारोबार के विरुद्ध युवाओं का आंदोलन शुरू करने की दिशा में कदम उठाने के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी। कैंडल लाइट मार्च के अवसर पर अपने हाथों में 'सही खरीदें, तस्करी वाला नहीं' की तख्तियां और मोमबत्ती लेकर शहर में 250 से ज्यादा छात्रों और उपभोक्ताओं ने इस मार्च में हिस्सा लिया।

Raj Express

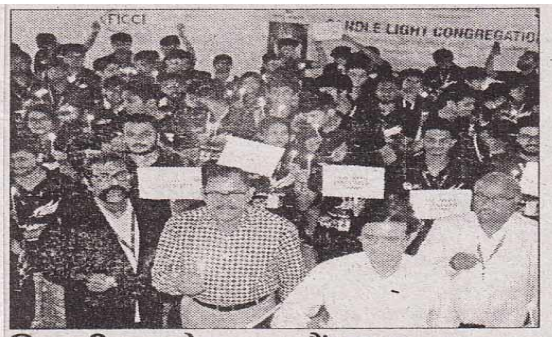

फिक्की कास्केड द्वारा कैंडल लाइट मार्च का आयोजन

भोपाल। अर्थव्यवस्था को नष्टकर रही तस्करी एवं जालसाजी के खिलाफकमेटी फिक्की कास्केड ने तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध लोगों को जागरुक करने वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व प्रमुख पीसी झा ने कहा कि तस्करी और जालसाजी जैसे अवैध कारोबार के विस्तार से भारत में आने वाले निवेश पर संकट की स्थिति बनी है।

इससे देश की महत्वाकांक्षी योजना मेक इन इंडिया को भी झटका लगा है। यही समय है, जब हमें बतौर एक राष्ट्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था के भाग के रूप में ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त और पूरी शक्ति से कदम उठाना चाहिए। वीआईटी भोपाल के वाइस चांसलर डॉ पी. गुणाशेखरन ने तस्करी कर लाए हुए और जाली उत्पादों के अवैध कारोबार के विरुद्ध युवाओं का आंदोलन शुरू करने की दिशा में कदम उठाने के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोगों को नकली उत्पाद प्रयोग नहीं करने और देश की अर्थव्यवस्था के हित में तस्करी के खतरे से लड़ने की शपथ लेनी चाहिए।

Sandhya Prakash

वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया

भोपाल। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी एवं जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी) ने आज तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी, भोपाल में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। भारत के आर्थिक विकास की गाथा ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के समक्ष नई चुनौतियां भी आई हैं। अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत के सामने आ रही बड़ी मुश्किलों में से एक अवैध कारोबार में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी है। अवैध उत्पादों का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और यह भारतीय उद्योग जगत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हो गया है। उद्योग संगठन फिक्की ने अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी –फिक्की कास्केड का भी गठन किया है। इसमें अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों के अग्रणी उद्योगों का प्रतिनिधित्व है। फिक्की कास्केड की रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात विनिर्माण क्षेत्रों में अवैध कारोबार के कारण सरकार को 39,239 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में से तंबाकू उत्पादों के अवैध कारोबार से सरकारी खजाने को सर्वाधिक 9139 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ। इसके बाद मोबाइल फोन के अवैध कारोबार से 6705 करोड़ रुपये और अल्कोहलयुक्त पेय के अवैध कारोबार से 6309 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश में भी इन क्षेत्रों में अवैध कारोबार में चिंताजनक वृद्धि हुई है। अवैध सिगरेट को लेकर यह देश के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से है। वैध सिगरेट की आपूर्ति में गिरावट आई है, जबकि अवैध कारोबारियों ने इस बाजार को अपने कब्जे में ले लिया है और तेजी से विस्तार कर रहे हैं। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व प्रमुख श्री पी. सी. झा ने कहा कि तस्करी और जालसाजी जैसे अवैध कारोबार के विस्तार से भारत में आने वाले निवेश पर संकट की स्थिति बनी है। महत्वाकांक्षी योजना 'मेक इन इंडिया' को भी झटका लगा है, जिसका उद्देश्य देश को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना और आरएंडडी को मजबूती प्रदान करना है।

Sandhyakalin Swadesh

राष्ट्र के व्यापक हित में तस्करी से लड़ें और सही सामान खरीदें

भोपाल। फिक्की कास्केड ने तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। भारत के आर्थिक विकास की गाथा ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के समक्ष नई चुनौतियां भी आई हैं। अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत के सामने आ रही बड़ी मुश्किलों में से एक अवैध कारोबार में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी है। अवैध उत्पादों का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और यह भारतीय उद्योग जगत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हो गया है। फिक्की ने अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी–फिक्की कास्केड का भी गठन किया है। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व प्रमुख पी.सी. झा ने कहा कि तस्करी और जालसाजी जैसे अवैध कारोबार के विस्तार से भारत में आने वाले निवेश पर संकट की स्थिति बनी है। इससे मेक इन इंडिया को भी झटका लगा है, जिसका उद्देश्य देश को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना और आरएंडडी को मजबूती प्रदान करना है। यही समय है जब हमें बतौर एक राष्ट्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था के भाग के रूप में ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त और पूरी शक्ति से कदम उठाना चाहिए।

Swadesh

राष्ट्र के व्यापक हित में तस्करी से लड़ें और सही सामान खरीदें

« भोपाल। फिक्की कास्केड ने तस्करी एवं जालसाजी के विरुद्ध वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल में कैंडल लाइट मार्च का आयोजन किया। भारत के आर्थिक विकास की गाथा ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के समक्ष नई चुनौतियां भी आई हैं। अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत के सामने आ रही बड़ी मुश्किलों में से एक अवैध कारोबार में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी है। अवैध उत्पादों का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और यह भारतीय उद्योग जगत के समक्ष सबसे बड़ी चुंनौतियों में से एक हो गया है। फिक्की ने अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी-फिक्की कास्केड का भी गठन किया है। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व प्रमुख पी.सी. झा ने कहा कि तस्करी और जालसाजी जैसे अवैध कारोबार के विस्तार से भारत में आने वाले निवेश पर संकट की स्थिति बनी है। इससे मेक इन इंडिया को भी झटका लगा है, जिसका उद्देश्य देश को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना और आरएंडडी को मजबूती प्रदान करना है। यही समय है जब हमें बतौर एक राष्ट्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था के भाग के रूप में ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त और पूरी शक्ति से कदम उठाना चाहिए।